Regarding communal riot in Varanasi on 17th April, 2000.

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल (वाराणसी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बहुत दुखी मन से सदन के सामने वाराणसी में हुए दंगे तथा वहां के लोगों की भावनाओं को रखना चाहता हूं। 16 अप्रैल को एक समुदाय विशेष के द्वारा, एक विशेष क्षेत्र में गड़बड़ी करने का प्रयास किया गया लेकिन वहां के अधिकारियों की सतर्कता के कारण उस पर काबू पा लिया गया। सम्प्रदाय विशेष की बात सदन में होती है तो यह बात कही जाती है कि हिन्दू साम्प्रदायिक है। एक राष्ट्रीय नेता ने इसी सदन में कल कहा कि मुसलमान या अल्पसंख्यकों की साम्प्रदायिकता साम्प्रदायिकता नहीं है , हिन्दुओं की साम्प्रदायिकता साम्प्रदायिकता है। काशी के बारे में बताना चाहता हूं कि वाराणसी में जो दंगा हुआ, उसमें एक सम्प्रदाय विशेष के लोग कब्रिस्तान में इकट्ठा हुए और हिन्दू समाज के ऊपर आक्रमण करने के लिए कुछ उपद्रवी तत्व आगे बढ़े। यह सबूत इस बात से है कि जब पुलिस उन लोगों को खदेड़ रही थी तो उनके हाथ में बम था जो फट गया और उसमें श्री नौसाद, जो सुग्गाँगडही का रहने वाला था, उसकी दोनों कलाई, दोनों बाजू उड़ गयीं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार को क्या करना है, यह पूछिए।

श्री शंकर प्रसाद जायसवाल : मैं आगे की बात बताना चाहता हूं। यह 17 तारीख की घटना है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Sanjay Paswan. Nothing will go on record except Shri Paswan.

*(Interruptions)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: What do you want the Government of India to do? There are some more Members. It is already 1.40 p.m.

...(*Interruptions*)

---

*Not Recorded.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Jaiswal, you are a senior Member. Please do not interrupt like this.

श्री रामजीलाल सुमन : यह मुलायम सिंह जी पर आरोप लगा रहे हैं। उनकी गैर मौजूदगी में उन पर आरोप लगाना ठीक नहीं है।...(व्यवधान) उन्होंने मुलायम सिंह यादव जी पर आरोप लगाया है।...(व्यवधान) यह सदन को गुमराह कर रहे हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। जो मन में आए, बोले चले जाते हैं।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am on my legs. Please sit down. If there is anything objectionable, that will be expunged.